संदर्भ ग्रंथ सूची

आधार ग्रंथ एवं संदर्भ ग्रंथ सूची

आधार ग्रंथ :-

अ] १] युगान्त : सुमित्रानंदन पंत :
भारती भाण्डार, लीडर प्रेस प्रयाग, द्वितीय संस्करण, सं. २०१५ वि ।

२] युगवाणी : सुमित्रानंदन पंत :
राजकमल प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली, चतुर्थ संस्करण, १९५९

३] ग्राम्या : सुमित्रानंदन पंत :
भारती भाण्डार, लीडर प्रेस, प्रयाग, पाँचवा संस्करण, सं. २०१३ वि ।

ब] ४] आधुनिक कवि भाग दोन : सुमित्रानंदन पंत :
हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, चतुर्थ संस्करण, सं. २००६ वि ।

५] उत्तरा : सुमित्रानंदन पंत :
भारती भाण्डार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद, द्वितीय संस्करण, सं. २०१२ वि ।

६] गुंजन : सुमित्रानंदन पंत :
भारती भाण्डार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद, दशम संस्करण, सं. २०१२ वि ।

७] चिदंबरा : सुमित्रानंदन पंत
राजकमल प्रकाशन, प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली, तृतीय संस्करण, १९६६ ।

८] पल्लव : सुमित्रानंदन पंत :
इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, तृतीय संस्करण ।

९] पल्लविनी : सुमित्रानंदन पंत :
भारती भाण्डार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, सं. २००१ वि ।

१०] मुक्ताभ : सुमित्रानंदन पंत :
साहित्य भवन [प्रा.] लिमिटेड, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, १९७७ ।

११] रश्मिबंध : सुमित्रानंदन पंत :
राजकमल प्रकाशन प्राईवेट लिमिटेड, दिल्ली , प्रथम संस्करण १९५८, तृतीय संस्करण १९६१ ।

संदर्भ ग्रंथ :

१] आज के लोकप्रिय कवि : सुमित्रानंदन पंत :
संपादक : डॉ. बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली ।

२] आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ. नगेंद्र :
नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नयी दिल्ली, पंचम संस्करण - १९७९ ।

३] आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवरसिंह :
लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण १९६२ ।

४] कवि सुमित्रानंदन पंत : आ. नंददुलारे वाजपेयी :
एस्. जी. वसानी, प्रथम संस्करण, १९७६ ।

५] कविवर पंत और उनका आधुनिक कवि : प्रो. रामरजपाल त्रिवेदी
हिंदी साहित्य संसार, नई सड़क, दिल्ली, प्रथम संस्करण, १९५९ ।

६] कवियों में सौम्य संत : संपादक - डा. बच्चन :
राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली , दिल्ली, द्वितीय संस्करण, १९६२ ।

७] छायावादोत्तर गीतिकाव्य : डा. सुरेश गौतम :
प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, प्रथम संस्करण , १९८५ ।

८] नया हिन्दी साहित्य : एक भूमिका : प्रकाशचंन्द्र गुप्त :
सरस्वती प्रेस, बनारस, चतुर्थ संस्करण , १९५३ ।

९] प्रगतिवाद : शिवकुमार मिश्र :
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण , १९६६ ।

१०] प्रगतिवादी काव्य : श्री उमेशचंद्र मिश्र :
ग्रंथम रामबाग कानपूर, प्रथम संस्करण , १९६६ ।

११] प्रगति और परंपरा : डा. रामविलास शर्मा :
किताब महल ५६-ए जीरो रोड, इलाहाबाद, प्रथम संस्करण, १९४८ ।

१२] प्रगतिवादी काव्य उद्भव और विकास : डा.अजितसिंह :
साहित्यलोक प्रकाशन, कानपूर, प्रथम संस्करण, १९८४ ।

१३] प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ : डा.रामविलास शर्मा :
विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, प्रथम संस्करण, १९५४ ।

१४] युग और साहित्य : शांतिप्रिय द्विवेदी :
इंडियन प्रेस [पब्लिकेशंस] प्राईवेट लिमिटेड, अलाहाबाद,
तृतीय संस्करण , १९५८ ।

१५] साहित्य की समस्याएँ : शिवदानसिंह चौहान :
आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली ।

१६] साहित्यानुशीलन : शिवदानसिंह चौहान,
आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण , १९५५ ।

१७] साहित्यिक निबंध : राजनाथ शर्मा,
विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, सोलहवाँ संस्करण, १९७६ ।

१८] सुमित्रानंदन पंत : डा. नगेंद्र :
साहित्य - रत्न - भाण्डार, आगरा, तृतीय संस्करण ।

१९] सुमित्रानंदन पंत : संपादक - इंद्रनाथ मदान :
लोकभारती प्रकाशन, अलाहाबाद, प्रथम संस्करण १९७५ ।

२०] सुमित्रानंदन पंत । मूल्यांकन : विश्वम्भर मानव :
किताब महल, ५६ ए जीरो रोड, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण १९६२ ।

२१] सुमित्रानंदन पंत : काव्य कला और जीवन दर्शन : संपादिका -
शचीरानी गुर्टु : आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण ।

२२] सुमित्रानंदन पंत : काव्यकला और दर्शन : गोपालदास नीरज,
सुधा सक्सेना : आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण १९६२ ।

२३] सुमित्रानंदन पंत : जीवन और साहित्य । द्वितीय खण्ड :
शांति जोशी : राजकमल प्रकाशन प्रा. लिमिटेड, दिल्ली, प्रथम संस्करण १९७७ ।

२४] सुमित्रानंदन पंत और उनका आधुनिक कवि : तारक नाथ बाली :
विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, प्रथम संस्करण, १९५५ ।

२५] हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल :

२६] हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : दशम भाग : प्रधान
संपादक : डा. नगेंद्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी,
प्रथम संस्करण , सं. २०२८ वि. ।

२७] हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : । चतुर्दश भाग : प्रधान :
संपादक : डा. हरवंशलाल शर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा,
वाराणी, प्रथम संस्करण, सं. २०२७ वि. ।

२८] हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ : डा. शिवकुमार शर्मा :
अशोक प्रकाशन, दिल्ली, अष्टम संस्करण , १९८० ।

२९] हिंदी काव्य में मार्क्सवादी चेतना : डा. जनेश्वर वर्मा :
ग्रंथम रामबाग कानपूर, प्रथम संस्करण , १९७४ ।

३०] हिंदी की प्रगतिशील कविता : डा. रणजीत ।
हिंदी साहित्य संसार, प्रगतिशील प्रकाशन, दिल्ली,
प्रथम संस्करण, १९७१ ।

३१] हिंदी के प्रगतिशील कवि : डा. रणजीत :
पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस [प्रा.] लिमिटेड, नई दिल्ली,
प्रथम संस्करण १९७३ ।

३२] हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डा. जयकिसन प्रसाद :
विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, ग्यारहवाँ संस्करण , १९८१ ।

३३] हिंदी काव्य में प्रगतिवाद : विजयशंकर मल्ल :
सरस्वती मंदिर, बनारस, द्वितीय संस्करण , १९५० ।

xxxxx